

19वें आईसीएसआई नैशनल अवॉर्ड्स फॉर एक्सिलेंस इन कॉरपोरेट गवर्नेंस में बीआरपीएल बेस्ट गवर्नर्स कंपनी के पुरस्कार से सम्मानित



बीएसईएस द्वारा कॉरपोरेट गवर्नेंस के उच्चतम स्तर का पालन करने को सराहा जा रहा है। बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (बीआरपीएल) को हाल ही में आयोजित 19वें आईसीएसआई नैशनल अवॉर्ड्स फॉर एक्सिलेंस इन कॉरपोरेट गवर्नेंस (अनलिस्टेड सेगमेंट: लार्ज कैटेगरी) में बेस्ट गवर्नर्स के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) द्वारा स्थापित इस पुरस्कार को बीआरपीएल की ओर से सीईओ श्री अमल सिन्हा, सीएफओ श्री अमरजीत सिंह, सीएस श्री पंकज टंडन और सीसीडी व सीएसआर प्रमुख श्री दीपक शंकर ने ग्रहण किया। इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए ख्यातिप्राप्त जूरी के प्रमुख थे, भारत के पूर्व माननीय मुख्य न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) श्री दीपक मिश्रा।

बीआरपीएल सीएसआर कार्यक्रमों से 4.5 लाख जिंदगियां सकारात्मक रूप से प्रभावित हुईं, ईटी नाउ ने पुरस्कृत किया

बीआरपीएल अपने आसपास के समुदायों के साथ पूर्ण सद्भाव व सामंजस्य के साथ रहना व कार्य करना चाहती है तथा समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाना चाहती है। सीएसआर के तहत किये जा रहे हमारे प्रयासों का फोकस मुख्यतौर पर कौशल विकास, शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, ऊर्जा संरक्षण और महिलाओं के लिए सेल्फ डिफेंस पर है। बीआरपीएल के सीएसआर कार्यक्रमों ने 4.5 लाख लोगों व उनके परिवारों को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। वित्त वर्ष 2019-20 में ही 85 हजार से अधिक लोग इन कार्यक्रमों से लाभान्वित हुए हैं। महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए इन कार्यक्रमों से लाभान्वित होने वालों में 50 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं।

इन प्रयासों को ईटी नाउ के प्रतिष्ठित स्टार ऑफ द इंडस्ट्री अवॉर्ड्स फॉर एक्सिलेंस इन सीएसआर इन कम्युनिटी डेवलपमेंट से सम्मान मिला है।



हीटर व गीजर ने बढ़ाई दिल्ली में बिजली की मांग, पीक डिमांड पहुंची 5343 मेगावॉट

1 जनवरी 2020 का दिन वाकई काफी महत्वपूर्ण था। यह सिर्फ नए साल व दशक की शुरुआत भर नहीं था, बल्कि इस दिन दिल्ली ने सर्दियों में बिजली की पीक डिमांड के पिछले सारे रेकॉर्ड्स तोड़ डाले। इस दिन यहां बिजली की पीक डिमांड 5343 मेगावॉट पहुंच गई थी। इसने 30 दिसंबर 2019 को तब तक की सर्वाधिक मांग यानी 5298 मेगावॉट के रेकॉर्ड को तोड़ दिया। इससे पहले, 1 जनवरी 2019 को बिजली की पीक डिमांड 4472 मेगावॉट पहुंची थी। यानी, 1 जनवरी 2019 से 1 जनवरी 2020 के बीच, सर्दियों के सीजन में बिजली की पीक डिमांड में 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। 1 जनवरी, 2020 को बीआरपीएल में भी बिजली की मांग सर्दियों के सारे रेकॉर्ड्स को तोड़ते हुए 2256 मेगावॉट पहुंच गई थी।

हीटिंग लोड यानी हीटर व गीजर इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण हैं। अनुमानों के मुताबिक, दिल्ली में सर्दियों में बिजली की मांग का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा हीटिंग लोड का है।

पीक डिमांड (सर्दियों में)	दिल्ली (मेगावॉट)	बीआरपीएल (मेगावॉट)
2019-2020 (1 जनवरी, 2020)	5343	2256
2018-19	4472	1926
2017-18	4511	1888
2016-17	4168	1758

सिर्फ एक एसएमएस की दूरी पर हैं बीआरपीएल की सेवाएं

डुप्लिकेट बिल, ई-बिल, बिजली गुल, वॉल्टेज फ्लक्चुएशन आदि शिकायतों के लिए

सेवा	एसएमएस टेक्स्ट
डुप्लिकेट बिल	BSESRP< space > DBIL< space > नौ अंकों का सीए नंबर
ई-बिल के लिए रजिस्ट्रेशन	BSESRP< space > EBIL< space > नौ अंकों का सीए नंबर < space > अपना ईमेल आईडी
बिल नहीं मिला	BSESRP< space > BNR< space > नौ अंकों का सीए नंबर
पिछले 5 भुगतानों की डिटेल्स	BSESRP< space > PMNT< space > नौ अंकों का सीए नंबर
बिजली गुल	BSESRP< space > NC< space > नौ अंकों का सीए नंबर
वॉल्टेज फ्लक्चुएशन	BSESRP< space > LV< space > नौ अंकों का सीए नंबर

सेवाओं की पूरी लिस्ट के लिए लॉगऑन करें www.bsesdelhi.com
अपने एमएसएस टेक्स्ट को 5616107 पर भेजें।

मोबाइल ऐप और वॉट्सएप नंबरों जैसे सुविधाजनक माध्यमों से बिजली गुल की शिकायत दर्ज कराएं



Available on the
App Store
Available on the
Google Play

टॉल फ्री 24x7
19123



वॉट्सएप
डुप्लिकेट बिल के लिए
(Type #Bill 9 digit CA No &
send to 9999919123)



वॉट्सएप
बिजली गुल की शिकायत करें
(Type #NC 9 digit CA No &
send to 9999919123)



आपातकालीन (आग व इटका)
1800 10 39707

अपने फीडबैक भेजें: कारपोरेट कम्युनिकेशन, बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड, बीएसईएस भवन, नेहरु प्लेस, नयी दिल्ली-110019

CIN No.: U40109DL2001PLC111527, GSTIN.: 07AAGCS3187H223 | 19123 | www.bsesdelhi.com | www.facebook.com/bsesdelhi | <https://twitter.com/BSEDELHI>

संवाद में एडवरटाइज के लिए brpl.bd@relianceeda.com पर ईमेल करें अथवा 8375010861 पर कॉल करें | बीआरपीएल राजधानी पावर लिमिटेड संवाद में प्रकाशित एडवरटिजमेंट के लिए कानूनी रूप से जिम्मेवार नहीं है।